**सरकार**

**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**तारांकित प्रश्‍न सं.138**

**दिनांक 4 मार्च, 2020**

**कच्चे तेल के उत्पादन में कमी**

**\*138. श्री मनीष गुप्ताः**

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या कैम्बे, असम-अराकान और मुम्बई अप-तटीय क्षेत्र में कच्चे तेल का घरेलू उत्पादन कम हो रहा है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि तेल और गैस के नए क्षेत्रों की पर्याप्त खोज नहीं हो पाने से तेल उत्पादन में गिरावट की स्थिति के कारण कच्चे तेल के उत्पादन में कमी की समस्या बढ़ती जा रही है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) वर्ष 2020-21 में कच्चे तेल के आयात में कितनी वृद्धि होने का अनुमान है और कच्चे तेल की खपत का कितना प्रतिशत आयात करना होगा; और

(घ) विगत तीन वर्षों के सदृश वर्ष-वार आंकड़ों की तुलना में यह कितना है?

**उत्तर**

**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री**

**(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)**

(क) से (घ): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

**“कच्चे तेल के उत्पादन में कमी” के संबंध में संसद सदस्‍य श्री मनीष गुप्ता द्वारा पूछे गए दिनांक 04 मार्च, 2020 के राज्‍य सभा तारांकित प्रश्‍न सं. 138 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्‍लिखित विवरण।**

(‍क): पिछले 3 वर्षों के दौरान, खंबात, असम – अराकान और मुंबई बेसिनों से कच्‍चे तेल का उत्‍पादन निम्‍नानुसार है :-

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| बेसिन का नाम | कच्‍चे तेल का वर्ष-वार उत्‍पादन, मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) | | |
|  | 2016-17 | 2017-18 | 2018-19 |
| खंबात | 4.99 | 4.99 | 5.36 |
| असम – अराकान | 4.26 | 4.40 | 4.35 |
| पश्चिमी अपतट/ मुंबई | 17.06 | 16.92 | 15.48 |

वर्ष 2018-19 में खंबात में तेल का उत्‍पादन बढ़ा है। क्षेत्र पुराने हैं और उनमें प्राकृतिक गिरावट हो रही है। पिछले कई वर्षों में कोई प्रमुख/बड़ी खोज भी नहीं हुई है।

(ख): सरकार ने देश में तेल और गैस के अन्वेषण और उत्पादन को बढ़ाने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं जिनमें हाइड्रोकार्बन खोजों के शीघ्र मौद्रीकरण के लिए उत्पादन हिस्सेदारी संविदा (पीएससी) के तहत छूटों, अवधि बढ़ाए जाने और स्पष्टीकरणों से जुड़ी नीति, खोजे गए लघु क्षेत्र संबंधी नीति, हाइड्रोकार्बन अन्वेषण और लाइसेंसिंग नीति, कोल बेड मिथेन के शीघ्र मौद्रीकरण के लिए नीति, नेशनल डेटा रिपोजिटरी की स्थापना, तलछटीय बेसिनों में गैर मूल्यांकित क्षेत्रों का मूल्यांकन, हाइड्रोकार्बन संसाधनों का पुन: आकलन, एनईएलपी पूर्व और एनईएलपी ब्लॉकों में उत्पादन हिस्सेदारी संविदाओं की कार्यप्रणाली को व्यवस्थित करने के लिए नीतिगत ढांचा, तेल और गैस के लिए वर्धित निकासी पद्धतियों को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने संबंधी नीति और मौजूदा उत्पादन हिस्सेदारी संविदाओं, कोल बेड मिथेन संविदाएं और नामांकन क्षेत्रों के तहत गैर-पारंपरिक हाइड्रोकार्बनों के अन्वेषण और दोहन के लिए नीतिगत ढांचा आदि शामिल हैं।

सरकार ने अन्वेषण कार्यकलापों को बढ़ाने, तलछटीय बेसिनों के गैर अन्वेषित/गैर आबंटित क्षेत्रों में घरेलू और विदेशी निवेश आकर्षित करने तथा मौजूदा क्षेत्रों से तेल और गैस के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने के उद्देश्‍य से फरवरी, 2019 में अन्वेषण और लाइसेंसिंग नीति में प्रमुख सुधारों को अनुमोदित किया था। नीतिगत सुधारों का उद्देश्य अन्‍य बातों के साथ-साथ, कार्य कार्यक्रम को अपेक्षाकृत अधिक महत्व देकर अन्वेषण कार्यकलापों को बढ़ावा देना, राजकोषीय और संविदागत शर्तों को सरल बनाना, सरकार के साथ किसी उत्पादन या राजस्व हिस्सेदारी के बिना, तलछटीय बेसिनों की श्रेणी ।। और ।।। में अन्वेषण ब्लॉकों की बोली लगाना, राजकोषीय प्रोत्साहनों देकर खोजों का शीघ्र मौद्रीकरण, विपणन और मूल्य निर्धारण स्वतंत्रता सहित गैस के उत्पादन को प्रोत्साहित करना, नवीनतम प्रौद्योगिकी और पूंजी को शामिल करना, नामांकन क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ाने की पद्धतियों के लिए सहयोग और निजी क्षेत्र की भागीदारी हेतु राष्ट्रीय तेल कंपनियों को अपेक्षाकृत अधिक कार्यात्मक स्वतंत्रता देना, इलेक्ट्रानिक एकल खिड़की व्यवस्था सहित अनुमोदन प्रक्रियाओं को व्यवस्थित करना और कारोबार में आसानी को बढ़ावा देना है।

(ग): तेल की मांग में वृद्धि और स्‍वदेशी तेल उत्‍पादन में कमी के कारण कच्‍चे तेल का आयात प्रत्‍येक वर्ष बढ़ रहा है। वर्ष 2020-21 में कच्‍चे तेल की अनुमानित खपत 226.2 एमएमटी होगी और लगभग 84% अनुमानित मांग के लिए आयात करना पड़ सकता है।

(घ) : पिछले 3 वर्षों के लिए तेल आयात पर निर्भरता की प्रतिशतता निम्‍नानुसार है :-

|  |  |
| --- | --- |
| वर्ष | तेल आयात पर निर्भरता (%) |
| 2016-17 | 81.7 |
| 2017-18 | 82.9 |
| 2018-19 | 83.8 |

 \*\*\*\*